ग्रामीण निवेशकों के लिए विवरण पुस्तिका

INVESTOR EDUCATION AND PROTECTION FUND AUTHORITY

MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA

Toll Free Number: 1800 114 667 | Email: iepf@mca.gov.in | Website: www.iepf.gov.in

IEPF Portal: www.iepfportal.in

परिचय

छोटे और ग्रामीण निवेशक जिनके पास निवेश से संबंधित पर्याप्त जानकारी नहीं होती, वे इसके अभाव में निवेश संबंधी सही फैसले नहीं ले पाते हैं। वे आज भी बचत और निवेश संबंधी कई बातों को नहीं जानते। उन्हें निवेश से जुड़े जोखिमों और मिलने वाले लाभ के बारे में कोई जानकारी नहीं होती। बहुत बड़ी मात्रा में निवेशक ऐसे भी हैं जिन्हें निवेश करने से पहले बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी कोई जानकारी नहीं होती।

निवेश की शुरूआत करते हुए निवेशकों को एक बात अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि सभी प्रकार के निवेशों में कुछ न कुछ जोखिम होता है, इस लिए बेहतर और फायदेमंद निवेश करने का सूत्र यही है कि हम सही जानकारी रखें, सही योजना बनाएं और उसके अनुसार ही अच्छी योजनाओं का चुनाव करें।

इस पुस्तिका का उद्देश्य ग्रामीण लोगों को बचत करने के साथ-साथ, निवेश के लिए प्रेरित करना है, ताकि वे भविश्य में किसी भी तरह की आर्थिक चुनौतियों के लिए तैयार रहें। इसके अलावा यह पुस्तिका उन्हें एक जागरूक निवेशक बनने की कामना करता है और उन्हें एक निवेशक के तौर पर शिक्षित करने का प्रयास करता है।

यह पुस्तिका कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सीएससी ई-गर्वेनेन्स सर्विसेज, इंडिया लिमिटेड की मदद से वीएलई को बजट, बचत और निवेश के बारे में जानकारी देने के लिए तैयार की गई है। इसके अलावा वीएलई इस पुस्तिका की मदद से निवेश करने की विभिन्न आदर्श योजनाओं, बैंक खातों को चलाने की जानकारी, बीमा और उसके प्रकार, बॉन्ड और डिबेंचरर्स के बारे में निवेशकों को जानकारी उपलब्ध करा सकेंगे।

हमें उम्मीद है कि इस पुस्तिका की मदद से वीएलई ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निवेशकों को सही जानकारी सांझा कर उन्हें वित्तीय रूप से शिक्षित कर सकेंगे और उनमें एक बेहतर निवेशक के गुण उभार सकेंगे।

विषय-सूची

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	बजट	2
2.	बजट के माधयम से बचत	4
3.	बचत के माधयम से निवेश	5
4.	बैंक खाता खोलने का महत्व	6
5.	बीमा (इंश्योरेंस) और पेंशन उत्पाद	8
6.	सरकारी योजनाएं	10
7.	पूंजी बाज़ार	12
8.	निवेश करते समय ध्यान देने योग्य बातें	14
9.	पॉन्जी स्कीम	15

अध्याय 1

बजट

उद्‌देश्य

इस अध्याय में हम बजट बनाने के महत्व पर प्रकाश डालेंगे।

बजट क्या है?

बजट हमारे महीने भर के जरूरी खर्चों का एक ब्यौरा है। यह हमारे जरूरी कामों और खर्चों का हिसाब होता है। हम महीने में जितना भी कमाते हैं, या जो आय हमें होती है उसका सही-सही हिसाब रखने को बजट कहते हैं। बजट हमारे आय और व्यय यानि खर्चे का अंदाज़ा होता है, यह हमारी आय और खर्चों के बीच की इच्छित योजना है।

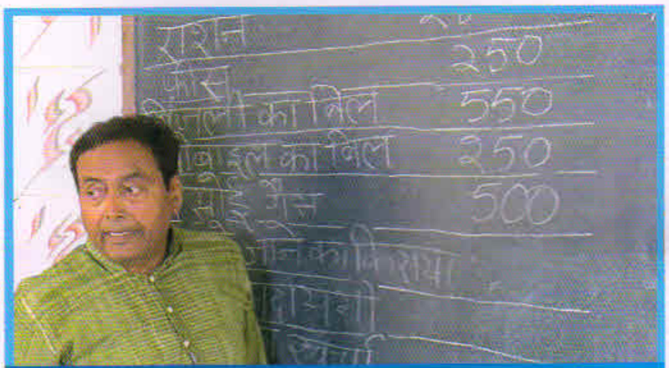

बजट बनाने से हमें हमारे मुख्य खर्चों का पता चलता है

बजट बनाने का क्या महत्व है?

बजट बनाने से हमें हमारे मुख्य खर्चों का पता चलता है, कि मेहनत से कमाए गए रूपए कहां-कहां खर्च होने हैं। जब हम अपने महीने भर का बजट बनाते हैं तो हम उन्हीं खर्च को लिखते हैं जो हमारी नज़र में जरूरी होते हैं, जैसे-महीने का राशन, किराया, फोन, दवाईयां, आने जाने का खर्च इत्यादि। इससे हमें यह पता चलता है कि हमारी जरुरतें कितनी हैं। हम कहां फालतू खर्च कर रहे हैं, और अगर हम ये फालतू खर्च न करें तो हमारे हाथों में कुछ रूपए जरूर बचेंगे, जिससे हम दूसरे जरूरी काम कर पाएंगे और हमें किसी के सामने हाथ फैलाने या मदद मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बजट कैसे बनाया जाता है?

बजट बनाना बहुत आसान है। हम एक उदाहरण के द्वारा इसे समझ सकते हैं कि बजट कैसे बनाया जाता है। आप एक कॉपी या डायरी लीजिए। उसमें सबसे ऊपर महीने का नाम लिखिए। फिर अपने कमाए पैसे को सबसे ऊपर लिख कर एक टेबल बनाईए जिसमें सभी तरह के खर्चों का ब्यौरा हो जैसे - बच्चों के स्कूल की फीस, राशन, दवाईयां, फोन और बिजली का बिल इत्यादि।

कुल कमाई	10,000
महीने का राशन	1,000
बच्चों की स्कूल फीस	750
फोन का खर्च	400
आने जाने का किराया	300
कमरे का किराया	3,500
रोज़ के दूध और हरी सब्जी	1,500
दवाईयां	200
अन्य खर्च	500
कुल खर्च	8,150
बचत	1,850

तालिका-1

इस तरह हम देखते हैं कि हमारा कुल खर्च 8,150 रूपए हो रहा है, जबकि हमने सभी मदों में अपने पैसे थोड़े थोड़े बढ़ाकर ही लिखे हैं और अभी भी हमारे पास कम से कम 1,850 रूपए बच रहे हैं। यह वह पैसा है जिसे अगर हम चाहें तो बचा सकते हैं। यहां लिखा गया ब्यौरा हमारा अधिकतम बजट है, यानि खर्च कर सकने की राशि है। इस तरह हर महीने का बजट बनाया जा सकता है। समय-समय पर हम अपने इस खर्च में सुधार भी कर सकते हैं। किसी मद को बढ़ाकर तो, किसी को घटा भी सकते हैं।

अध्याय 2

बजट के माध्यम से बचत

उद्देश्य

इस अध्याय का उद्देश्य बचत के बारे में बताना है जैसे- बचत क्या है, यह क्यों किया जाना चाहिए और यह कैसे की जाती है। इसके अलावा यह हमें बचत करने के कारणों और इसे कैसे किया जाए जैसे सवालों के उत्तर देता है।

बचत क्या है?

अध्याय एक में हमें यह जानकारी मिल चुकी है कि बजट क्या है, और उसी के माध्यम से हमने जाना कि बजट से बचत कैसे संभव है। बचत हमारे महीने भर के जरूरी खर्चे के बाद का बचा हुआ पैसा है। बहुत से लोग इस बात से दुखी रहते हैं कि उनका पैसा पता नहीं कैसे और कहां खर्च हो जाता है। जिससे उन्हें महीने के अंत में अपने पड़ोसियों से रुपए उधार लेने की आदत हो जाती है। कोई बड़ा काम आ जाए या विवाह के अवसरों पर भी उनका हाथ खाली होता है। बचत करने से हमारे सामने ऐसी समस्या नहीं होती और हम अपने परिवार की हर तरह की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

बचत क्यों करनी चाहिए?

अपने और अपनी परिवार की सुरक्षा के लिए, समय के साथ आगे बढने के लिए, समाज में सर उठाकर जीने के लिए और अपने परिवार के बुजुर्गों और बच्चों को बेहतर और जरूरी सेवाएं और सुविधाएं देने के लिए हमें बचत करनी चाहिए। बचत हमारी आय का वह हिस्सा होता है जो हम अपने खर्च से बचाकर संजोते हैं। हम यह बचत अपनी सभी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के बाद करते हैं।

आप बजट से बचत कैसे कर सकते हैं?

इसके लिए अध्याय एक में दिए गए बजट बनाने के तलिका 1 पर चलते हैं। आप देखेंगे कि यहां आपने अपने महीने के सिर्फ जरूरी खर्चे लिखे हैं । अंत में सबको जोड़ने के बाद आपको हैरानी होगी कि आपके पास अभी भी कुछ रुपए बचें हैं, जबकि अगर आप ये बजट नहीं बनाते तो हर महीने के अंत में आपको किसी न किसी से कुछ कर्ज लेना पड़ सकता है। बजट आपको बचत के लिए प्रेरित करता है।

अगर हम इस टेबल को ध्यान से देखें तो यहां हम सभी खर्चों में से भी कुछ पैसे बचा सकते हैं क्योंकि यह हमारे खर्च करने की अधिकतम सीमा है। अगर हम इन सभी मदों में से भी कुछ बचा लें तो इसे ही बजट से बचत कहेंगे।

बचत हमारे महीने भर के जरूरी खर्चे के बाद बचा हुआ पैसा है

अध्याय 3

बचत के माध्यम से निवेश

उद्देश्य

यह अध्याय हमें हमारी पूंजी की सुरक्षा, आय और उसकी वृद्धि के बारे में बताता है।

निवेश क्या है?

धन की वृद्धि के लिए अपने बचत के रुपयों को किसी विकासात्मक कार्य में लगाना निवेश कहलाता है। जैसे-घर या ज़मीन खरीदना, फिक्सड डिपोजिट करना, सोने के गहने खरीदना इत्यादि।

निवेश क्यों जरूरी है?

बैंकों में जमा हमारी बचत पर हमें ज्यादा ब्याज नहीं मिलता। जैसे जैसे महंगाई यानि मुद्रास्फीति बढ़ती है, पैसों के मूल्य गिरते जाते हैं। जिससे हमारे उसी कीमत में बाज़ार से सामान खरीद सकने की क्षमता में गिरावट आती है। बढ़ती महंगाई में भी हमारी खरीदते रहने की दर बनी रहे, इसके लिए निवेश जरूरी है, क्योंकि इसका प्रभाव महंगाई पर नहीं पड़ता। इसका मतलब मुद्रास्फीति बचत पर तो भारी हो सकती है मगर निवेश पर नहीं।

बैंकों में हमें हमारे बचत पर एक निश्चित ब्याज मिलता है, जबकि निवेश के तहत हमारा पैसा तरल और गतिमान रूप में रहता है। निवेश बचत का एक स्वस्थ एवं आधुनिक तरीका है।

कोई भी व्यक्ति अपनी थोड़ी-थोड़ी जरूरतें बचत से तो पूरा कर सकता है, लेकिन अगर उसके कुछ बड़े सपने हैं तो उसके लिए उसे निवेश की राह अपनानी होगी।

बचत और निवेश में अंतर

निवेश में यह कोशिश होती है कि धनराशि बढ़े। इसमें बचत के मुकाबले ज्यादा ज़ोखिम है, लेकिन अधिक धन के रुप में फायदा पाने की संभावना भी है। निवेश लंबे समय के लिए एक अच्छा फैसला है।

दूसरी तरफ बचत करना सुरक्षित होता है, लेकिन इसमें धन के लाभ की गति धीमी होती है। ये पैसा बचाने और सुरक्षित रखने का अच्छा ज़रिया है, जो कम समय के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होता है।

निवेश के फायदे	बचत की खासियत
• ये लंबी अवधि का लक्ष्य है।	• ये कम समय का लक्ष्य है।
• ये धन पर अधिक लाभ की उम्मीद है।	• बचत की राशि धीरे-धीरे बढ़ती है ।
• ये जोखिम भरा है, लेकिन अधिक धन कमाने का जरिया है।	• बचत में निवेश से कम जोखिम है।

तालिका-2

CHAPTER 4

बैंक खाता खोलने का महत्व

उद्देश्य

इस अध्याय का उद्देश्य बैंक में बचत खाता खोलने की चरणबद्ध प्रक्रिया और इसे चलाने के बारे में विस्तार से बताना है।

बैंक क्या है?

बैंक सरकार द्वारा स्थापित अधिकारिक संस्था है, जो जनता एवं कंपनियों की धनराशि, को स्वीकार कर, उस पर निर्धारित ब्याज देती है, चेक पास करती है, अपनी शर्तों के साथ ऋण की सुविधा उपलब्ध करवाती है। इसके अलावा बैंक पारदर्शी तरीके से वित्तीय लेन देन का कारोबार करते हुए अपने ग्राहकों को अन्य वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। यह देश की अर्थव्यवस्था और बजट में अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बैंक में धन रखने से क्या लाभ है?

बैंक में खाता खोलना निवेश के लिए बढ़ाया गया पहला कदम है। बैंक हमारे बचत के पैसों को न केवल सुरक्षित रखती है, बल्कि उस पर हर साल कुछ प्रतिशत ब्याज भी देती है। इसके अलावा यहां हम अपने बचत के पैसों को एक निश्चित समय के लिए फिक्स डिपोजिट भी कर सकते हैं, इससे हमें सामान्य ब्याज से ज्यादा ब्याज मिलता है, जो कि बहुत फायदेमंद है।

आप बैंक में खाता कैसे खोल सकते हैं?

- अगर आप बैंक में खाता खुलवाना चाहते हैं, तो आपके पास एक पहचान पत्र और एक निवास यानि गृह प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट साइज का फोटो होना जरूरी है।
- बैंक किसी व्यक्ति की पहचान, उसके पहचान पत्र के आधार पर करता है, जैसे – उस व्यक्ति का मतदाता यानि वोटर आई कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, ड्रायविंग लाइसेंस तथा सरकारी संस्था में कार्यरत कर्मचारी का आई कार्ड और किसी मान्यता प्राप्त स्कूल के पहचान पत्र को स्वीकार करता है।
- बैंक किसी व्यक्ति के निवास/गृह/पता की पहचान उसके द्वारा दिए गए प्रमाण-पत्र पर करता है। जैसे -आधार कार्ड, राशन कार्ड, पहचान-पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, तथा बिजली या पानी के पिछले तीन महीने के बिल के आधार पर करता है।
- किसी बैंक में खाता खोलते समय गैरेंटर की जरूरत होती है जोकि उस बैंक में पिछले 6 माह से जुड़ा हुआ हो। अर्थात् अपने खाते को सुचारू रूप से चला रहा हो।

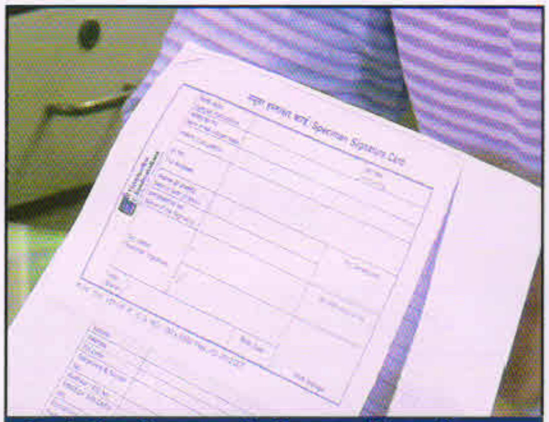

किसी बैंक में खाता खोलते समय गैरेंटर की जरूरत होती है।

बैंक में खाता खोलने पर क्या मिलता है?

- बैंक आपको मुफ्त पासबुक देता है, जिससे हम खाते के संचालन में निकासी/जमा की गई राशि की पूर्व जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
- बैंक आपको एक एटीएम और उसका पासवर्ड देता है जिसके द्वारा हम कहीं से भी पैसे (निश्चित रकम) को निकाल सकते हैं।
- बैंक आपको मोबाइल (फोन) और इन्टरनेट बैंकिंग की सुविधा प्रदान करता है।
- बैंक में खाता खुलवाने के बाद आप कई प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

आपके अधिकार क्या हैं?

- जब आप बैंक में खाता खुलवाते हों तो आपका सर्वप्रथम अधिकार उस खाते पर होता है जो आपने उस शाखा में खुलवाया है।
- बैंक में खाता खुलवाते ही बैंक का यह कर्तव्य है कि वह आपके कार्यों को आपकी इच्छानुसार अगर संभव है तो करे और उसमें कोई आनाकानी (मना)ना करें।
- आप बैंक में जमा राशि पर जितना चाहें उतना चैक काट सकते हैं।
- बैंक में जमा राशि पर ब्याज मिलता है।
- बैंक से अपने बिल का भुगतान कर सकते हैं।

अध्याय 5

बीमा (इंश्योरेंस) और पेंशन उत्पाद

IEPF

उद्देश्य

इस अध्याय का उद्देश्य उपलब्ध सभी प्रमुख बीमा और पेंशन उत्पादों के बारे में बताना है। यह इसके उपयोगकर्ताओं को इसके संबंध में जानकारी भी देता है।

बीमा क्या है?

बीमा ऐसा अनुबंध है,जो भविष्य में किसी अनहोनी घटना या हानि की हालत में बीमित व्यक्ति को एक खास रकम अदा करने का वादा करता है।

प्रीमियम क्या है?

प्रीमियम वह राशि है जिसे निवेशक जोखिम की भरपाई करने के लिए एक साथ या आवधिक रुप से भुगतान करता है। इसके बदले में वह या उसका या दोनों परिवार बीमा सुरक्षा कवच में आ जाता है।

जीवन बीमा अंतर्गत वे योजनाएं आती हैं जिसका संबंध सीधे-सीधे व्यक्ति के जीवन से जुड़ा होता है

बीमा के प्रकार

अ. जीवन बीमा या लाइफ इंश्योरेंस

इस के अंतर्गत वे योजनाएं आती हैं जिसका संबंध सीधे-सीधे व्यक्ति के जीवन से जुड़ा होता है। इसमें यह सुविधा होती है कि कोई विशेष दुर्घटना होने पर बीमा किए जाने वाले व्यक्ति या उसके उत्तराधिकारी या उसके परिवारजनों को एक निशिचत एकमुशत धनराशि दी जाती है। यह मृत्यु के बाद अपने परिवार को पैसे के सहारे सुरक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका है, जो उसे समाज में आत्मसम्मान से रहने में सहायता देता है। इसके कई रूप हैं -

- वन टाइम पेमेंट पॉलिसी

  यह जीवन बीमा की एक ऐसी पॉलिसी है जिसमें कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार एक बार ही एकमुश्त अनुमानित प्रीमियम राशि जमा कराई जा सकती है, और जिसके तहत धारक को एक निशिचत अवधि या फिर जीवन भर के लिए बिना किसी अन्य शुल्क या प्रीमियम के जीवन बीमा मिलता है।

- मनी बैक पॉलिसी

  यह पैसे वापस पाने की योजना है। इसमें एकमुशत मिलने वाली राशि की जगह तय राशि का कुछ भाग एक लगातार एक अंतराल पर लिया जा सकता है। यह उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो अपने पैसे को गतिशील और अन्य छोटी छोटी अवधि के निवेश में लगाते हैं।

- यूलिप (यूनिट लिंक्ड बीमा पॉलिसी)
  - यूलिप में रिस्क कवर और निवेश दोनों मिला जुला रहता है।
  - पूंजी बाजार की तरलता का सीधा प्रभाव यूलिप के प्रदर्शन पर पड़ता है।
  - अधिकतर बीमाकर्ता किसी निवेशक के उद्देश्य, रिस्क प्रोफाइल और समय अवधि को ध्यान में रखते हुए अलग अलग तरह के फंड उपलब्ध कराते हैं। इन अलग अलग फंडों का अलग अलग रिस्क प्रोफाइल रहता है। एक फंड से दूसरे फंड में भी रिटर्न की संभावना अलग अलग होती है।
  - अलग अलग बीमाकर्ताओं द्वारा दिए जाने वाले यूलिपों के प्लान में अलग अलग तरह के रिस्क होते हैं।

- पेंशन

पेंशन जीवन बीमा का ही एक प्रकार है। राज्यों की ओर से अपने नागरिकों को किया जाने वाला एक नियमित भुगतान जिसमें वे अधिकारी जो अपनी रिटायरमेंट की उम्र पार कर चुके हैं, या उनकी विधवाओं या विकलांगों/दिव्यांग शामिल हैं, उन्हें पेंशन प्रदान किया जाता है।

ब. जनरल बीमा /सामान्य बीमा

इसके तहत वे योजना आती हैं जिसका सीधा संबंध व्यक्ति के जीवन से नहीं होता। यह व्यक्ति और उसके परिवारों को उसके संपत्ति, स्वास्थ्य आदि के नुकसान की भरपाई करता है। इसके भी कुछ रूप हैं-

- **मेडिकल बीमा** -यह साधारण बीमा के तहत आने वाली एक बीमा है, जो बीमाधारक को उसके व उसके परिवार के चिकित्सकीय और शल्य यानि ऑपरेशन करने का खर्च वहन करती है। हेल्थ इंश्योरेंस के तहत की जाने वाली यह बीमा धारक को किसी आकस्मिक बीमारी की अवस्था में तत्काल सहायता पहुंचाती है। यह अस्पताल के सारे खर्चों सहित दवाई वगैरह के खर्च को भी एक निश्चित प्रीमियम राशि पर उपलब्ध कराती है।
- **दुर्घटना बीमा** - यह साधारण बीमा के अंतर्गत आती है। यह एक ऐसी वार्षिक पॉलिसी है जो किसी दुर्घटना विशेष की अवस्था में गंभीर चोट लगने, विकलांगता की स्थिति में आने या आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में लागू होता है अन्यथा यह लागू नहीं होती। यह जीवन बीमा, मेडिकल और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी से अलग एक पॉलिसी है।
- **फसल बीमा** - इस तरह की बीमा का उद्देश्य किसानों को उनके फसल की उपज में नुकसान, सूखा, बाढ़, बेमौसमी बारिश, फसलों में कीड़े या अन्य बिमारियां लगने या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय की स्थिति में उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। इस योजना का उद्देश्य यह भी होता है कि इस नुकसान की क्षतिपूर्ति के बाद भी किसानों को अगली फसल मौसम में बुआई के लिए मदद दी जा सके। राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (आरकेबीवाय) भारत की राष्ट्रीय स्तर की फसल बीमा योजना है।

बीमा पॉलिसी लेते समय ध्यान रखने योग्य बातें

- पहले अपने लक्ष्यों को जानें।
- अपनी बीमा कवरेज की गहरी जानकारी लें और उसकी समीक्षा करें।
- आपको कितने लाइफ कवर की जरूरत है और आप कितना प्रीमियम दे सकते हैं, इसे ध्यान में रखें।
- विभिन्न उपलब्ध योजनाओं को उसके पूरे ब्यौरों के साथ अध्ययन करें।
- विभिन्न पॉलिसियों को समझें और जो आपको अपनी जरूरत और प्रीमियम देने के लायक हो, उसे चुनें।
- पॉलिसियां देने वाले बीमा प्रोफेशनलों की सलाह लें।
- बीमा पॉलिसी को चुनने से पहले सबसे अच्छे दर पाने और उसकी जांच के लिए उस पॉलिसियों की आनलाइन जांच कीजिए।
- ज्वाइंट कवर के बजाए दो सिंगल योजनाओं को लेना बेहतर होता है।
- समय समय पर अपनी पॉलिसी चैक करते रहें और उसे अपडेट करते रहें।
- अपने प्रीमियम का भुगतान समय से करें।

क्या न करें

- बिना समझे किसी पॉलिसी को न खरीदें।
- बिना जरूरत जीवन बीमा न खरीदें।
- सबसे सस्ता के चक्कर में जोखिम को नजरअंदाज न करें।
- समय समय पर होने वाली बीमारी की हालत में मिलने वाले फायदों की जांच करना न भूलें।
- बीमा के लिए किसी एक एजेंट तक ही सीमित न रहें।
- हैसियत से ज्यादा प्रीमियम भरने वाला प्लान न लें वरना यह बोझ बन जाएगा।
- आनलाइन जानकारी पर आंख मूंद कर भरोसा न करें।
- डॉक्टरी जांच में झूठ का सहारा न लें।

अध्याय 6

सरकारी योजनाए

IEPF

उद्देश्य

इस अधयाय का उद्देश्य विभिन्न सरकारी योजनाओं और पूंजी बाज़ार में निवेश के बारे में बताना है। इसके अलावा उसकी प्रक्रिया के साथ साथ उसे कैसे पाया जा सकता है, इस बारे में बताना है।

बचत की सरकारी योजनाएं

देश की जनता के लिए सरकार भी अलग-अलग तरह की बचत या निवेश योजनाओं का प्रस्ताव पारित करती है। सरकार बड़े पैमाने पर अपने उत्पादों के द्वारा बचत और निवेश के लिए जनता को प्रोत्साहित करती है।

राष्ट्रीय बचत पत्र (एनएससी)

- कर बचत योजना के नाम से लोकप्रिय है और यह बचत पत्र पूरे साल डाकघर में मिलते रहते हैं।
- ये बिना किसी अधिकतम सीमा के 100 रूपए के मूल्य में उपलब्ध है।
- इसकी ब्याज दर 7.9 प्रतिशत होती है।
- इस बचत पत्र के आधार पर ऋण भी लिया जा सकता है।

सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)

- इस खाते को देश के किसी भी आधिकारिक डाकघर या बैंक की शाखा में खोला जा सकता है।
- बैंक में ब्याज दर – 7.9 प्रतिशत।
- कम से कम 500 रूपए और अधिक से अधिक 1,50,000 रूपए सालाना निवेश।
- परिपक्वता का समय – 15 साल।
- तीसरे और पांचवे वर्ष के बीच ऋण लिया जा सकता है, और केवल आपात स्थिती में सातवें वर्ष के बाद आंशिक निकासी कर सकते हैं।

डाकघर योजना (पीओएस)

- डाकघर बचत योजना को लघु बचत योजना के नाम से भी जाना जाता है।
- यह कर बचत योजना की सर्वश्रेष्ठ योजना है।
- यह पूरे वर्ष उपलब्ध होती है।
- डाकघर योजनाएं निवेश के प्रकार और परिपक्वता अवधि पर निर्भर करती है। इसे मासिक डिपॉजिट, सेविंग डिपॉजिट, टाइम डिपॉजिट और रेकरिंग यानि आवर्ती डिपॉजिट में बांटा जाता है।

किसान विकास पत्र (केवीपी)

- आप का पैसा 9 साल और 5 महीने मे दुगना हो जाता है (यानी 113 महीने) |
- यह पूरे साल नज़दीकी डाकघर और बैंकों में उपलब्ध है।

- यह योजना 1000 रुपये मुल्यवर्ग में उपलब्ध है और अधिकतम निवेश की कोइ सीमा नहीं है।
- इसे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को और एक डाकघर से दूसरे डाकघर में हस्तांतरित या ट्रांस्फर किया जा सकता है।

किसान क्रेडिट कार्ड

किसान क्रेडिट कार्ड किसानो के लिए एक अच्छी योजना है। इससे किसानों को समय पर खेती के लिए आसानी से ऋण मिलता है। इससे समय रहते किसान खेती के लिए उपकरण, बीज और अपने जीवन संबंधी जरुरी कार्यो को कर सकता है। यह किसानों को पर्याप्त और समय पर ऋण उपलब्ध कराने की अग्रणी ऋण वितरण प्रणाली है। यह एक बहुत ही सरल और आसानी से उपलब्ध होने वाली प्रक्रिया है जिसके तहत किसान, कृषि संबंधी गतिविधियों के लिए पैसा उधार ले सकते हैं।

इसके अंतर्गत किसानो को एक क्रेडिट कार्ड और पासबुक उपलब्ध कराई जाती है। इसमें उपभोक्ता का नाम, पता, जमीन की जानकारी, उधार की अवधि, वैद्य समय, और उपभोक्ता की पासपोर्ट साइज फोटो आदि जानकारी के तौर पर इंगित की जाती है। यह कार्ड एक परिचय पत्र की तरह भी काम करता है।

किसान क्रेडिट कार्ड किसानो के लिए एक अच्छी योजना है।

किसान क्रेडिट कार्ड के फायदे

- इसका उपयोग कम साक्षर (अनपढ़) व्यक्ति भी कर सकता है।
- किसान क्रेडिट कार्ड के तहत किसान को हर साल लोन की प्रक्रिया नहीं करनी पड़ती। इस तरह यह किसानों को समय और इससे पैदा होने वाले तनाव से राहत मिलता है।
- किसान क्रेडिट कार्ड में ऋण अदा करने का समय किसान की सुविधानुसार अर्थात् फसल के बिकने के बाद तक का होता है।
- किसान क्रेडिट कार्ड के जरिये किसान बैंक की किसी भी शाखा से धन ले सकता है।

(कृपया ध्यान दें: ब्याज दर 01/07/2019 के अनुसार है। यह समय-समय पर भिन्न हो सकती है।
संदर्भ :

https://www.indiapost.gov.in/Financial/pages/content/post-office-saving-schemes.aspx
https://www.sbi.co.in/portal/web/agriculture-banking/kcc
http://www.nsiindia.gov.in/InternalPage.aspx?Id_Pk=55

अध्याय 7

पूंजी बाज़ार

उद्देश्य

इस अध्याय के माध्यम से हम यह जान सकते हैं कि पूंजी बाज़ार क्या है, इससे क्या लाभ है और इसमें निवेश करते समय हमें कौन सी जरूरी बातों को ध्यान में रखना है।

पूंजी बाज़ार क्या है?

पूंजी बाजार, एक ऐसा का बाजार है, जहां खरीददार और विक्रेता या कंपनियां और सरकार लंबे समय के लिए धन जुटा सकते हैं। यह वित्तीय सुरक्षा से संबंधित कार्य जैसे बॉन्ड, और स्टॉक का कार्य करती है। इसमें पैसा एक साल या इससे अधिक समय के लिए दिया जाता है। पूंजी बाजार भारतीय वित्तीय प्रणाली का सबसे अधिक महत्वपूर्ण भाग है।

पूंजी बाज़ार में निवेश

हमारे सामने उपलब्ध सभी विकल्पों में से पूंजी बाज़ार को सबसे अधिक चुनौती भरा और सबसे ज्यादा लाभदायक माना जाता है। पूंजी बाज़ार ईक्विटी और डेब्ट का बाज़ार है जिसमें कम्पनियां और सरकार भी शामिल हैं। यह सार्वजनिक निवेशकों से लंबे समय के लिए धन लेती है और बाद में यही निवेशक एक दूसरे के साथ इन ईक्विटीश का व्यापार कर सकते हैं।

पूंजी बाज़ार में निवेश के प्रकार

- **ईक्विटी शेयर**

  इक्विटी शेयर को आम बोलचाल में शेयर या स्टॉक भी कहा जाता है। इससे किसी कंपनी में अमुक अंश की हिस्सेदारी व्यक्त होती है। इक्विटी शेयरधारक कंपनी के नफे-नुकसान में, अपने शेयरों की संख्या के अनुपात में व्यवसायिक हिस्सेदार होता है। इसके धारक को कंपनी के सदस्य का दर्जा प्राप्त होने के साथ कंपनी के प्रस्तावों पर अपना विचार व्यक्त करने और वोट देने का अधिकार प्राप्त है।

  इक्विटी शेयरों पर लाभांश की गारंटी नहीं होती। इन शेयरहोल्डरों को कम्पनी का मालिक माना जाता है। कम्पनी सभी लेनदारों और प्राथमिकता शेयरहोल्डरों का बकाया चुकाने के बाद ही इक्विटी शेयरों पर लाभांश देती है। इस प्रकार के शेयरहोल्डरों को कम्पनी का मालिक माना जाता है, तथा उन्हें कम्पनी के मामलों में मत का अधिकार होता है। कम्पनी का नुकसान होनें पर उन्हें कम मूल्य या शून्य लाभांश मिलता है। और

इक्विटी शेयर को आम बोलचाल में शेयर या स्टॉक भी कहा जाता है

कम्पनी को फायदा होने की स्थिती में भी सबसे अधिक फायदा इन्हीं शेयरों में होता है।

इक्विटी शेयर किसी कम्पनी में शेयरहोल्डर के स्वामित्व का प्रमाण होता है। जब हम किसी कम्पनी का शेयर खरीदते हैं तो उसके प्रमाण के रूप में हमें एक 'शेयर सर्टिफिकेट' मिलता है।

- **म्युचुअलफंड**

म्यूचुअल फंडएक प्रकार का सामूहिक निवेश है। निवेशकों के समूह मिल कर स्टॉक, अल्प अविधि के निवेश या अन्य प्रतिभूतियों (सेक्यूरीटीश) में निवेश करते हैं। म्यूचुअलफंड मे एकफंड प्रबंधक होता है,जो फंड के निवेशों को निर्धारित करता है और लाभ और हानि का हिसाब रखता है। इस प्रकार हुए फायदे–नुकसान को निवेशको मे बाँट दिया जाता है। म्यूचुअल फड संचालक (कंपनी) सभी निवेशकों के निवेश राशि को लेकर इकठे करती है और उनसे कुछ सुविधा शुल्क भी लेती है। फिर इस राशि को उनके लिए बाजार में निवेश करती है। इनमें में निवेश करने का फायदा यह है कि निवेशक को इस बात की चिंता करने की जरूरत नहीं होती कि आप कब शेयर खरीदें या बेचें, क्योंकि यह चिंता फंड मैनेजर की होती है।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए भले ही एक सुगम मार्ग हो लेकिन साथ ही इसमें कई जोखिम भी जुड़े होते हैं। इसमें निवेश की गई धनराशि सीधो सीधो शेयर बाजार के उतार चढ़ाव पर निर्भर करती है। इसलिए इनमें निवेश करने से पहले निवेशक को प्रत्येक जोखिम की जानकारी होनी आवश्यक है।

- **डिबेंचर / बांड**

डिबेंचर या बांड एक कॉन्ट्रेक्ट होता है। इसमें एक पक्ष उधार देने वाला और दूसरा पक्ष उधार लेने वाला होता है। इस कॉन्ट्रेक्ट में ब्याज दर, ब्याज भुगतान करने की अवधि और मूलधन राशि के पुनः भुगतान की परिपक्वता तारीख दी होती है। केंद्र और राज्य सरकार या पीएसयू की ओर से ज़ारी ऋण इंस्ट्रूमेंट के लिए बांड और प्राइवेट कार्पोरेट सेक्टर से ज़ारी किए गए ऋण को डिबेंचर कहते हैं। यह क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा रेटेड किए जाते हैं।

जो निवेशक निश्चित और नियमित आय प्राप्त करना चाहते हैं, उनके लिए डिबेंचर या बांड एक आदर्ज़ निवेश है। इसमें बैंक की मियादी जमाराशियों की तुलना में अधिक ब्याज दरें होती हैं। कुछ बांडों में निवेशकों को कर लाभ का भी प्रस्ताव दिया जाता है।

भोयरधारकों के अधिकार

- आवंटन होने या निर्धारित समय में खरीदने परओयर प्राप्त करना।
- सालाना रिर्पोटों की कॉपी लेना।
- कंपनी ने अगर लाभांज़ घोषित किया हो तो समय से लाभांश प्राप्त करना।
- कम्पनी की साधारण बैठकों में भाग लेना या उसे वोट देना।
- अगर कंपनी धाोखे भरे और निवेशक के विपरीत काम कर रही हो तो उसकी शिकायत कर समाधान प्राप्त करना।

अध्याय

8

निवेश करते समय ध्यान देने योग्य बातें

IEPF

उद्देश्य

इस अध्याय के माध्यम से हम यह जान सकते हैं कि निवेश करने से पहले और करते वक्त हमें कौन सी जरूरी बातों को ध्यान में रखना है। इसके अलावा किसी भी प्रकार के शिकायतों से निपटने और उसके समाधान के लिए किससे संपर्क करें इसके बारे में जानकारी देना है।

जीवन-चक्र के अनुसार निवेश पद्धति अपनाएं

- जब आप युवा होते हैं तो अधिक जोखिम उठा सकते हैं। अत: यह निवेश करने का सबसे अच्छा समय है।
- 50 साल की उम्र होने पर जोखिम इंस्ट्रुमेंट से बचना चाहिए।
- 60 साल की उम्र में आपको ईक्विटी से पूरी तरह से बचना होगा क्योंकि इस समय आपको नई आमदनी होना बंद हो जाती है।

निवेश करने के लिए जानकारी कहां से लें

- www.iepf.gov.in पर विकल्प और निवेश के तरीके उपलब्ध हैं।
- कम्पनियों के बारे में अधिक जानकारी mca.gov.in पर से ले सकते हैं।
- आईपीओ के लिए ऑफर यानि प्रस्ताव के बारे में पढ़िए। कम से कम रिस्क फैक्टर्स, लिटिगेशन (मुकदमेबाजी), प्रमोटर्स, कम्पनी का इतिहास, प्रोजेक्ट, ईशू के उद्देश्य आदि।

मुफ्त सलाह पर बिना सोचे समझे निवेश न करें

क्या करें

- केवल ऐसी कम्पनियों में निवेश करें जिनकी नींव मजबूत होती है जो बाजार का दबाव झेल सकती हैं और लम्बे समय तक बेहतर प्रदर्शन दे सकती है।
- टीवी, प्रिंट मीडिया, वेबसाइटों, ई-मेलों और एसएमएस के जरिए मिलने वाली मुफ्त सलाह से सावधान रहें।
- अपने आय के अनुसार ही निवेश करें।
- केवल पंजीकृत बिचौलियों/ प्रतिनिधियों से लेन-देन करें।

क्या न करें

- मुफ्त सलाह पर बिना सोचे समझे निवेश न करें।
- विज्ञापनों के झांसे में न आएं।
- बड़े बड़े आंकड़ों और डाटा के चक्कर में न आएं।
- किसी क्षेत्र के चढ़ती कीमतों से अपना विवेक न खोएं।
- कर्ज लेकर निवेश न करें।
- ब्याज हर दिन बढ़ता रहता है, जरूरी नहीं कि लाभ भी बढ़े।

निवेशक की सोच एवं व्यवहार

- लाभ तभी होता है जब वह आपके बैंक में पहुंचता है (न कि वह रजिस्टर या एक्सेल शीट में पड़ा रहता हो)।
- ईमानदार रहिए क्योंकि तभी आप ईमानदारी की मांग कर सकते हैं और अपने अधिकारों के लिए लड़ सकते हैं।

CHAPTER

9 पॉन्जी स्कीम

उद्देश्य

यह अध्याय नागरिकों को धोखेबाज कंपनियों/लोगों द्वारा फैलाई जा रहीं तमाम स्कीमों से सावधान करने और उनकी मेहनत की कमाई को यूं ही बर्बाद होने से बचाने के लिए सही माप-तौल करने को बताने के लिए है। यह अध्याय निवेशकर्ताओं को इन तमाम धोखेधड़ी वाली स्कीमों के बारे में जागरूक करने और इनके लक्षणों को देखकर पहचाने के बारे में बताएगा।

धोखाधड़ी वाली स्कीम के प्रकार:

धोखाधड़ी वाली निवेश योजनाएं जिन पर भरोसा करना संदेहास्पद/अलाभकारी होगा, इस प्रकार की होती हैं:

(i) पिरामिड स्कीम- इसे बहुस्तरीय मार्केटिंग स्कीम भी कहते हैं। एक सामान्य पिरामिड स्कीम में प्रत्येक सदस्य को और सदस्य जोड़ने पर पुरस्कार दिए जाने का वादा किया जाता है। हालांकि ऐसी स्कीमों में जैसे ही किसी तरह की चूक होती है प्रमोटर व्यक्ति पैसा लेकर फरार हो जाता है।

(ii) पॉन्जी स्कीम- पॉन्जी स्कीम का काम करने का तरीका यह होता है कि एक से धन लिया और दूसरे को दे दिया। पॉन्जी स्कीम में प्रमुख व्यक्ति नए निवेशकर्ताओं से धन एकत्र करता है और उसे ही बांटता रहता है।

पॉन्जी स्कीम क्या है?

- पॉन्जी स्कीम एक प्रकार का जोखिम भरा निवेश होता है जहां उसे कम समय और थोड़े जोखिम में ज्यादा का फायदा होने का भरोसा दिलाया जाता है।
- पॉन्जी स्कीम में लगी कंपनियां अपना पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ नए निवेशकर्ताओं को निवेश करने में लगाती हैं।
- इस नए निवेश (आय) का इस्तेमाल मूल निवेशकों को उनके रिटर्न का भुगतान करने के लिए किया जाता है, जो वैध लेनदेन से लाभ के रूप में चिह्नित होते हैं।
- पॉन्जी योजनाएं मुख्य रूप से पुराने निवेशकों को रिटर्न प्रदान करने के लिए नए निवेश के लगातार प्रवाह पर भरोसा करती हैं।

कैसे काम करती है पॉन्जी स्कीम?

- नए निवेशकों के फंड का इस्तेमाल पुराने निवेशकों को कथित रिटर्न का भुगतान करने के लिए किया जाता है।
- बाजार में मौजूद कम जोखिम वाले बाजार की तुलना में अधिक रिटर्न का वादा।
- प्रारंभिक ग्राहकों को भुगतान करना।
- जानबूझकर सफल कहानियां बताना।
- अपंजीकृत निवेशों और लाइसेंस रहित विक्रेताओं के जरिए।
- गुप्त, जटिल रणनीतियों, कागजी कामों के साथ दिक्कतों और भुगतान प्राप्त करने में कठिनाई।
- उत्पादों की बिक्री के बजाय सदस्यों के नामांकन पर ज्यादा जोर दिया जाता है।

पॉन्जी स्कीम की संरचना

- सावधान पॉन्जी स्कीम धोखे का शिकार न हों
- कैसे काम करती हैं पॉन्जी स्कीम
- जैसे ही फंडिंग बंद हो जाती है स्कीम बंद हो जाती है।
- स्कीम वाले यह वादा करते हैं कि निवेशकर्ताओं का पैसा एक कंपनी में लगा है और उन्हें हर महीने रिटर्न मिलेगा।
- जैसे ही निवेशकर्ता पहली बार पैसा पाते हैं, तो खबर फैलना शुरू हो जाती है और इसी तरह से सिलसिला चलने लगता है। निवेश पहले कुछ माह में तो सफल रहता है, जिससे दूसरे निवेशकों को इस व्यवस्था में पैसा लगाने का भरोसा हो जाता है।

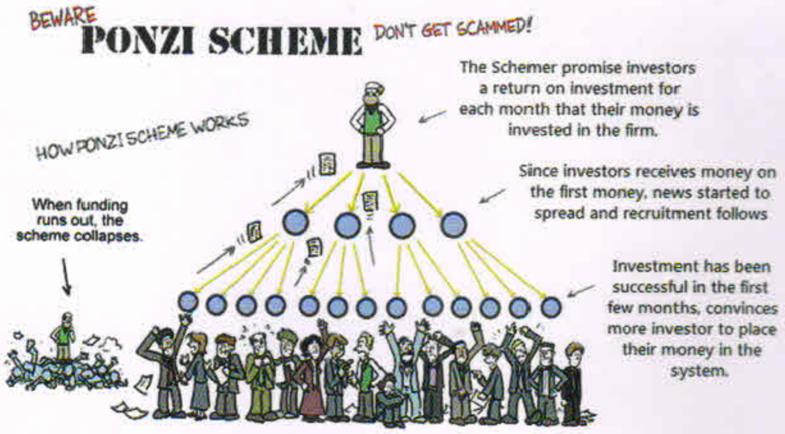

कैसे किसी को भी इस तरह की स्कीम में इतना आकर्षण हो सकता है?

इसके जवाब हो सकते हैं:

- लालच
- कलाकारों और झूठे विज्ञापनों का इस्तेमाल
- अज्ञानी निवेशकों में जानकारी की कमी
- नियामक वैक्यूम
- नि:शुल्क नमूने के माध्यम से अंधविश्वास और प्रलोभन

इस प्रकार की पॉन्जी स्कीमों से खुद को कैसे बचाएं :

- **उच्च रिटर्न के वादे से सावधान रहें :**

असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का वादा करने वाली किसी भी योजना पर सावधानी के साथ विचार करना चाहिए। बहुत ही बुनियादी स्तर पर, धोखाधाड़ी करने वालों द्वारा असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का निवेश निवेशकों के लिए खतरा साबित हो सकता है। अवास्तविक रिटर्न के वादे से सावधान रहें।

- **अज्ञात कंपनी:**

आपने उच्च रिटर्न का वादा करने वाली योजना के बारे में सुना, लेकिन क्या आप कंपनी और इसकी विश्वसनीयता के बारे में भी जानते हैं? यदि नहीं, तो आप अपने कड़ी मेहनत से इकट्ठे किए गए पैसे को किसी ऐसी कंपनी या संगठन में कैसे डाल सकते हैं जो आपके लिए अज्ञात है?

केवल सुनी–सुनाई प्रतिष्ठा या बातों पर भरोसा न करें। किसी कंपनी के बारे में जानने का सबसे अच्छा तरीका इंटरनेट या सोशल मीडिया पर अपना खुद का शोध होता है। यदि आपको इंटरनेट पर कोई विश्वसनीय जानकारी नहीं मिलती है, तो आप स्पष्ट कर लें।

- **प्रमोटरों का ट्रैक रिकॉर्ड:**

वादे पूरे करने के मामले में उनकी छवि साफ होनी चाहिए। यदि आप कोई जानकारी नहीं ढूंढ पा रहे हैं, तो इंटरनेट पर ढूंढें।

- **पंजीकरण आवश्यकताएं:**

यदि कोई व्यक्ति गैर–बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी) में निवेश करने की योजना बना रहा है, तो उसे अच्छी तरह से पता होना चाहिए कि प्रत्येक एनबीएफसी को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ पंजीकृत होना आवश्यक है।
एनबीएफसी को किसी भी प्रकार से आरबीआई का नाम इस्तेमाल करने की आज्ञा नहीं है।

- **दिया गया मूल्यांकन:**

वो एनबीएफसी जो जमा राशि लेते हैं उनके पास जमा संग्रह के लिए अनुमोदित क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा दी गई न्यूनतम निवेश

ग्रेड क्रेडिट रेटिंग होनी चाहिए।

- **नियम एवं शर्तें:**

अंतिम निर्णय लेने से पहले शुल्क पर भी विचार किया जाना चाहिए। अपने निवेश को समझें, सभी निवेश और संचार की प्रतियां साथ रखें।

- **जानकारी भरे निर्णय लें:**

व्यक्ति को योजनाओं के प्रबंधन दल, संबंधित नियमों और वित्तीय जानकारी के पिछले रिकॉर्ड की जांच करनी चाहिए। निर्णय कभी भी लालच में आकर नहीं किया जाना चाहिए। निवेश बेचने वाले व्यक्तियों के पंजीकरण और पृष्ठभूमि की जांच करें। वित्तीय मामलों में किसी पर भी अंधाविश्वास न करें।

याद रखें कि भले ही एनबीएफसी के प्रमोटर निर्दोष प्रतिष्ठा के हैं और क्रेडिट रेटिंग अच्छी है मगर इन पर जोखिम है क्योंकि वे असुरक्षित हैं और यहां दिवालिया होने का जोखिम है ।

- **पॉन्जी योजनाओं को रोकने के लिए राज्यों के लिए केंद्र सरकार के दिशा निर्देश:**

केंद्र सरकार ने पॉन्जी धोखाधाड़ी से उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रत्यक्ष बिक्री और बहु-स्तर के विपणन व्यवसायों को नियंत्रित करने के लिए राज्यों के लिए प्रत्यक्ष बिक्री दिशानिर्देश 2016 के रूप में नामित मॉडल दिशानिर्देश जारी किए हैं। पुरस्कार चिट और मनी सर्कुलेशन (प्रतिबंध) अधिनियम, 1978 के तहत पॉन्जी योजनाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि यह एक केंद्रीय अधिनियम है, संबंधित राज्य सरकारें इस कानून की प्रवर्तन एजेंसी हैं। जारी नए दिशानिर्देश राज्यों को उनकी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अपने दिशानिर्देशों में कुछ बदलाव करने की अनुमति देंगे।

भारत में पॉन्जी स्कीम घोटाले:

कंपनी का नाम	घोटाले का आकार रुपए	टिप्पणी
अभिनव गोल्ड	100 करोड़	कंपनी ने 26 महीने तक 6,000रुपये के निवेश पर 1.72 लाख रुपये देने का वादा किया था।
स्टॉक गुरु	1000 करोड़	इसने छह महीने तक प्रति माह रिटर्न का 20प्रतिशत और अगले छह महीनों में निवेश की गई मूल राशि वापस करने का प्रस्ताव रखा।
स्पीक एशिया	2500 करोड़	कंपनी ने 11,000 रुपये के शुरुआती निवेश से 4,000 रुपये महीना देने का वादा किया था।
गोल्ड सुख	200 करोड़	कंपनी ने निवेशकों से 18 महीने में 27 गुना वापसी का वादा किया था।
सिटी बैंक	300 करोड़	सिटीबैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक ने ग्राहकों को प्रति माह 2-3प्रतिशत रिटर्न का वादा किया उन्होंने ग्राहकों को संतुष्ट करने के लिए झूठे सेबी सर्कुलर और बैंक स्टेटमेंट बनाये।
श्रद्धा चिट फंड	20000 करोड़	50 प्रतिशत पीए रिटर्न देने या 2-3 साल में डबल करने की स्कीम।

नया दौर- साइबर स्कैम

- विदेशों से लॉटरी ईमेल
- वित्तीय नियामकों से नकली ईमेल
- प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम का उपयोग कर रोजगार ईमेल।
- बैंक अधिकारियों बनकर क्रेडिट कार्ड सीमा बढ़ाने को लेकर कॉल
- इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड की हैकिंग
- इंटरनेट पर काम करते समय पुरस्कार जीतने वाले पॉप-अप।

For more information, please contact :

Investor Education and Protection Fund Authority
Ground Floor, Jeevan Vihar Building,
3, Sansad Marg, New Delhi – 110001
Ph. : 1800114667
iepf@mca.gov.in
www.iepf.gov.in / www.iepfportal.in

CSC e-Governance Services India Limited
Ministry of Electronics and Information Technology,
Electronics Niketan, 3rd Floor, MeitY, 6, CGO,
Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003
Ph. : +91-11-24301349
www.csc.gov.in